शिव शक्ति से ही पूर्ण है Shiv Shakti Se Hi Purn Hai Lyrics

शिव शक्ति से ही पूर्ण है

शिव शक्ति से ही पूर्ण है
शक्ति के वो सिंधूर है
गौरी के गौरव के लिए
जो हो रहे अब दूर है

शिव शक्ति से ही पूर्ण है
शक्ति के वो सिंधूर है
गौरी के गौरव के लिए
जो हो रहे अब दूर है

कोई तोड़ ना है बिछोह का
नाही मोल मन के मोह का
कोई तोड़ ना है बिछोह का
नाही मोल मन के मोह का

शिव जाने क्या है काली का
अस्तित्व आदीशक्ति का

विचलित करे ना भावना
नाही दे सके कोई सांत्वना
नियती है बंधन से परे
जो रच दीया सो वो करे

शिव शक्ति से ही पूर्ण है
शक्ति के वो सिंधूर है
गौरी के गौरव के लिए
जो हो रहे अब दूर है

कैलाश की गृह स्वामिनी
शिव की हूँ मैं अर्धांगिनी
निर्माण मेरे अस्तित्व का
खंडन ना हो दायित्व का
अब ना कोई अवरोध हो
अब मेरे मन का बोध हो

(महाकाल की महाकालिका
परमेश्वरी पथपालिका
अब तक स्वयं से दुर है
यही शक्ति तो सम्पूर्ण है
यही शक्ति तो सम्पूर्ण है
यही शक्ति तो सम्पूर्ण है
यही शक्ति तो सम्पूर्ण है)